गି'ନିମ୍'ନି'ନି'ନି' ନିର୍ମ୍ବ '' ଦେନିକ୍' କ୍ଷ' ବିଷଷ '' ଓଡ଼ି' ନିର୍ମ '' ଦେନିକ୍' ଦେ' ଦେନିକ୍' ବ୍ୟ' ଦେନିକ୍' ନି' ନିର୍ମ୍ବ '' ନି' ନିର୍ମ୍ବ '' ନି' ନିର୍ମ୍ବ '' ନି' ନିର୍ମ୍ବ '' sentient beings' [to one's practice]?

র্মান্ত্র নার্মান্তর বিশ্বনার বিশ্বনা

অবাধ্ব-(এন.)গ্রুন্ | বিবাধ (এন.)গ্রুন্ | বিবাধ (এন.)গ্রুন্ | ত্বিন্ধা প্রবাধ প্রাক্ত প্রবাধ প্রকাশ পর্কাশ প্রকাশ পর্কাশ প্রকাশ পর্কাশ প্রকাশ পর্কাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ পর্কাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ পর্কাশ পরকা

2. to find enjoyment; to partake (in) ੇ ਹੈ; ਸੈਂ। 万·ਕਾਰਵੇਧਾ ਵੇਕਾਰੇ ਕਾਲਾਂ ਹੈ; ਧੁੱਧਾਂ ਸ਼੍ਰਕਾਕਾ ਬੁੱਤ੍ਰ ਧੀ O Gautama, the world partakes in its share of deeds. {DPP}

AUX.:

colloc.:

गुन'(हु') ब्रुँन|  $^2$ गुन'(हु') ब्रुन| गुन'(हु') ब्रुन|  $^{\rm o}$  thoroughly enjoy

রি('অ)ম্খ্রুন্।<sup>2</sup> রি('অ)ম্খ্রুন্। রি('অ)ম্খ্রুন্। <sup>a</sup> to enjoy; to be enjoyed • (upa-√bhuj): {KD} upabhoga; {GST,PU} upabhuñjayet; {MSA} upabhoga ▶ র্যান্য র্যান্তির্নারী বার্ন্তির্নারী বিশ্বানার this lotus face of yours is worthy of being enjoyed by royal swans (i.e., excellent kings). {KD} • নি ব্যানার বার্ন্তির্বানারী বিশ্বানার বার্ন্তির্নারী বিশ্বানার বার্ন্তির্নারী বিশ্বানার বার্ন্তির্নারী বিশ্বানারী বিশ্বানার বার্ন্তির্নারী বিশ্বানার বার্ন্তির বিশ্বানার বার্ন্তির বিশ্বানার বার্ন্তির বিশ্বানার বার্ন্তির বিশ্বানার বার্ন্তির বিশ্বানার বার্ন্তির বিশ্বানার বিশ্বানা

वे.चर.जूट्य.जूट्। वे.चर.जूट्य.जूट्। वे.चर. শ্বিত্য enjoyment; to utterly enjoy; to experience carnal pleasure • (upa-√bhuj): {PK} upabhogam; {PU} upabhoga; upabhuñjayet (=nye bar longs spyad par bya); (upa-√hṛ): {PU} upaharanti ⊳ ϢϤ· इयथ.ज.धे.चर.जूट्य.शूट्रार्चरायाय.य.यकूट्रार्डे... Since [one] presents [them] as objects for utter enjoyment, [they] are offerings, ... {PU} = 3. इययायाने परास्तर्भार्येत्राचीत्राचीता बिद धिद मील में अल पर पर विश्व प्रतासी The utter enjoyment of those is experiencing [them] and [doing so] in dependence upon meditating upon [them]. {PU} • देश मञ्जू मारा त्या सँगाया तपु.लीज.रु.इश्रथ.थु.तर.जूटश.श्रर.तर.विपू By means of this [yoga], [one] should utterly enjoy the sensory objects such as form and so forth. (PU)

원두 o to thoroughly enjoy • (pari-√bhuj): {KD} paribhujyate; {C} paribhuñjati; {MSA} paribhoga; (upa-√bhuj): {DPP} upabhuṅkte; (pari-√car): {BSS} paricaret ⊳ ই্ব'ন্ট্ৰ'ন্নীম'ন্ लय. पठर दया रचल. पर्ने क्रिं ने ग्रीय स्था स 쥘기 Having been cut off from the primordial "Puruşa," [the goddess] Śrī is thoroughly enjoyed by you. {KD} • ব্রুব্ন নী দুর্ মান্দ্রবাদ্যমানার্মান্যান্ত্রিন্য By means of this, O Gautama, [are you able to] thoroughly enjoy the three [kinds of] seats. {DPP} \* 万克天 व.श्र. वृग. वया पत्र. श्र. पाया व. तीया श्री. वि. र श्रेन च = ८. ज्र. ५ ८. क्षेत्र . कु वा . पे . ज्राट्य . यी . ज्राट्य . यी . ज्राट्य . यी . For example, [imagine that] in the dream of a man who is sleeping, [he] thoroughly enjoys